an>

Title: Need to ensure safety of sacred Ram Setu between India and Sri Lanka.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर) ः मैं सरकार का ध्यान संपूर्ण भारत एवं संपूर्ण हिंदुओं की आस्था का महाकेन्द्र, श्री रामचरितमानस में उल्लिखित श्री भगवान राम द्वारा लंका पर विजय प्राप्त करने हेतु बनाए गए अत्यंत प्राचीन भारतीय धरोहर भारत-श्रीलंका के मध्य स्थित श्री रामसेतु की ओर दिलाना चाहता हूँ।

भारतीय ज्योतिÂािाो, पुरातत्व विभाग तथा नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार रामसेतु का निर्माण लगभग साढ़े 17 लाख वÂान पहले हुआ था। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार संपूर्ण विश्व में इतनी प्राचीन मानव निर्मित कोई भी धरोहर नहीं है। रामसेतु भारत-श्रीलंका के मध्य ऐसा जलमार्ग है जिससे अंतर्राÂट्रीय जहाजों को गुजरने हेतु भारत को कर देना होगा। यदि यह नहीं होगा तो कोई भी विदेशी जहाज अपने मनमाने ढंग से आवागमन कर सकता है। सबसे हैरत कर देने वाली बात तथा शोध का विÂाय तो यह है कि यह रामसेतु इपट-पत्थर से न बनकर अत्यंत मूल्यवान "लीथियम" तत्व से बना है। रामसेतु के नीचे लीथियम का अपार भण्डार है जिसकी कीमत अंतर्राÂट्रीय स्तर पर अरबों-खरबों में है।

किंतु बड़े दुख की बात है कि पिछली सरकार द्वारा "पचौरी कमेटी" बनाई गई थी जिसकी रिपोर्ट में यह कहा गया है कि इसे तोड़ने से बंगाल की खाड़ी में भारत के पश्चिम तट के जहाजों को आने-जाने में धन और समय की बचत होगी। यहां तक कि इस कमेटी ने अपने प्रतिवेदन में रामसेतु के अस्तित्व से ही इंकार कर दिया था। पिछली सरकार इसे तोड़कर इसका सौदा विदेशों से करना चाहती थी। इसके लिए उसे तोड़ने हेतु मशीनें भी लगाई गई।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि रामसेतु की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु सख्त से सख्त कानून बनाया जाए अथवा वर्तमान कानून को और अधिक कड़ा किया जाए जिससे कोई भी सरकार अथवा देश भविÂय में उसे किसी प्रकार की क्षति न पहुंचा सके।